PRESS CLIP

==========

Publication:- Prabhat Khabar

Date: - 1st April 2020

Page :- 03

Special article on how Cardiac Patients can be affected by COVID-19 infection and how they can take care of their heart from COVID-19 by Prof. Dr. Rabin Chakraborty, Eminent Cardiologist and Chairperson of The Health Committee, The Bengal Chamber.

हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है कोरोना

संवाददाता ▷ कोलकाता

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रोबिन चक्रवर्ती ने बताया

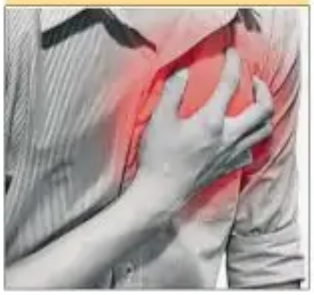

देश कोरोना वायरस की चपेट में आ चुका है. बंगाल चेंबर की हेल्थ कमेटी के चेयरमैन व शहर के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रोबिन चक्रवर्ती का कहना है कि कोरोना वायरस हमारे हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है.

पहला कारण अगर हृदय में इंफ्लेमेशन हो, जिसे हम मायोकाराइटिस भी कहते हैं, तो यह प्राथमिक तौर पर सीधे हृदय को क्षति नहीं पहुंचाता है. यह शुरुआत में फेफड़े को क्षति पहुंचाने या अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाने के बाद हृदय तक पहुंचकर उसे प्रभावित करता है, लेकिन इसका प्रतिशत काफी कम देखा गया है. यानी इस संक्रमण के कारण जब हृदय की कोशिकाओं में इंफ्लेमेशन होने लगे या फिर मायोकाराइटिस होने लगे, तो उसके बाद कार्डियक एरिदमिया होने की आशंका बनी रहती है. इसके कारण एक्यूट हार्ट अटैक या एक्यूट कार्डियाक अरेस्ट होने की संभावना रहती है. इसके अलावा वे लोग जो पहले से हृदय की समस्या से जूझ रहे हैं, जैसे मधुमेह, ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक या फिर वे लोग जिन्हें पहले कभी हार्ट अटैक हुआ हो या बाइपास सर्जरी हुई हो, ऐसे लोग अगर किसी भी तरह से कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होते हैं, तो उनके लिए खतरा काफी बढ़ जाता है.

वहीं, वयस्क जो मधुमेह की समस्या से पहले से ही ग्रसित हैं, ब्लड प्रेशर से वे परेशान हैं, जो स्मोकर (सिगरेट पीने के आदी) हैं, वे जब कोरोना वायरस से संक्रमित होने लगते हैं, तो उनमें अक्सर इसके शुरुआती लक्षण में देखा जाता है कि उन्हें बुखार व खांसी होने के बाद निमोनिया होने की बजाय उन्हें सीने में दर्द होने लगता है, इसे कई बार चिकित्सक हार्ट अटैक समझने लगते हैं. कई बार हार्ट अटैक का मरीज समझकर उनका इलाज शुरू कर दिया जाता है. ऐसे मरीजों का इसीजी कराने के काफी देर बाद इनके कोरोना से संक्रमित होने का खुलासा होता है. सामान्यतः इस तरह के मरीजों में कोरोना के लक्षण को समझने में देर लग जाती है.

वहीं, जब हम कुछ ऐसी दवाएं खाते हैं, जैसे ब्लड प्रेशर की दवा, जिसे कई जानकार ऐसा मानते हैं कि इस तरह की दवा सामान्यतः कोरोना वायरस के प्रभाव को और बढ़ा देता है, लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है. ऐसी स्थिति में इसके प्रभाव को कम करने के लिए कई लोग हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वाइन दवाएं खाते हैं, इसके बारे में यह बताना जरूरी है कि वैसे मरीज जिनकी इसीजी की प्राथमिक रिपोर्ट में कुछ असमान्यताएं देखी जाती है, वैसे मरीजों की विस्तृत जांच बिना किये अगर मरीज खुद हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वाइन का सेवन करना शुरू कर दें, तो ऐसे मरीजों को फायदा होने के बजाय, उन्हें इससे नुकसान ज्यादा होने की संभावना रहती है.

grey matter pr
106 d, block-f
new alipore
kolkata 700 053
i n d i a
W +91 33 2445 2766
info@greymatterpr.com
www.greymatterpr.com